पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राज्यपाल की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा का 13वां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न

लखनऊः 04 मार्च, 2024

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान, मथुरा का 13वां दीक्षांत समारोह सम्पन्न हुआ। दीक्षान्त समारोह में कुल 142 उपाधियाँ प्रदान की गई, जिसमें स्नातक वेटेरिनरी साइंस की 79, स्नातक जैव प्रौद्योगिकी की 27, परास्नातक वेटेरिनरी साइंस की 32 तथा 04 शोध उपाधियाँ प्रदान की गई। सभी उपाधियों को डिजीलॉकर में अपलोड कर दिया गया। विशेष योग्यता के लिए बेस्ट थीसिस अवार्ड (वेटेरिनरी परास्नातक एवं वेटेरिनरी पी0एच0डी0) के लिए 02-02 पदक, 02 बेस्ट टीचर अवार्ड तथा 01 बेस्ट डिपार्टमेंट अवार्ड भी प्रदान किए गए। 14 विद्यार्थियों को कुल 20 पदक प्रदान किए गए, जिसमें 09 छात्राओं ने तथा 05 छात्रों ने पदक हासिल किए।

राज्यपाल जी ने दीप प्रज्जवलन के साथ कलश में जलधारा अर्पण करके जल संरक्षण के संदेश देते हुए विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। समारोह को सम्बोधित करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में निरंतर परिश्रम करने , प्रत्येक परिस्थिति का डट कर मुकाबला करने और कभी भी हार न मानने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां चाहे कैसी भी हों, व्यक्ति को कभी भी हार नहीं माननी चाहिए।उन्होंने गुजरात की एक कहावत साझा करते हुए कहा कि वहाँ एक कहावत है -'भग्या त्यांची सवार" जिसका मतलब है कि नई शुरुआत करने के लिए कभी भी देर नहीं होनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में छात्रों द्वारा अधिक मेडल प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि पशुपालन में भी महिलायें पढ़ने के लिए आ रही हैं, खुशी की बात है मित्रों और एक लड़की पांच मेडल लेकर गई। आप सबको बहुत बहुत बधाई देती हूँ। उन्होंने छात्रों को भी अधिक मेहनत करने और सफलताएं प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

राज्यपाल जी ने दीक्षांत में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से प्रौद्योगिकी आधारित कृषि व पशुपालन को बढ़ावा देकर किसानों व पशुपालकों की आय को दोगुने से भी अधिक करने में सहायता की अपेक्षा की। उन्होंने यह भी अपेक्षा की कि जो कुछ विश्वविद्यालयों में सिखाया जा रहा है उसका लाभ हमारे समाज , नागरिको , बच्चों को भी मिले। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के साथ घर के पशुओं द्वारा दिये गये दूध का अधिकाधिक प्रयोग घर में करें। पनीर बनाइये महिलाओं को पनीर खिलाइये ,दही खिलाइये दूध पिलाइये और एक संकल्प करवाइये कि मेरे कोख से जो बच्चा का जन्म होगा वो स्वस्थ होगा बीमारू नहीं होगा। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अब तो बच्चों को जन्म से ही डायबिटीज है-जन्म से ही कैंसर है। उन्होंने इसे विश्वविद्यालयों की जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि यूनिवर्सिटीज को यह समझना पड़ेगा कि समाज में क्या समस्या है.किसान के घर में क्या समस्या है । जो हम यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं उसका लाभ घर तक, महिलाओं तक, बच्चों तक जाये।

सम्बोधन के क्रम में राज्यपाल जी ने पशुपालन में आ रही छात्राओं को पोषण पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि वे इस बात का प्रयास करें कि एक भी बच्चा कुपोषित न हो। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा पशुपालकों की सहायता के लिए एक मोबाइल एप को लांच करने तथा पशुपालकों, किसानों व आमजन को

उनके घर बैठे विभिन्न विषयों पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए द्विभाषी पॉडकास्ट 'पशुधन की बातें' की शुरुआत के लिए बधाई दी।

राजयपाल जी ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए स्वस्थ पीढ़ी के लिए महिलाओं के समुचित पोषण पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस सन्दर्भ में उन्होंने कई रिसर्च और किताबों में उल्लेख की चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पशुपालन देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है, जिसमें हमारे पूर्व के वैज्ञानिकों द्वारा लाई गई हरित क्रांति, दुग्ध क्रांति, नीली क्रांति, गुलाबी क्रांति सभी की भूमिका रही है।इसके साथ ही उन्होंने पशुधन की संख्या में वृद्धि किये जाने की भी आवश्यकता पर भी बल दिया ।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की महिला अध्ययन केन्द्र इकाई द्वारा ग्रामीण महिला कृषकों व पशुपालकों को योजनाओं की जानकारी प्रदान करने पर प्रसन्नता व्यक्त की । उन्होंने कहा कि महिलाओं की पशुपालन व समाज में हर स्तर पर भागीदारी यह दर्शाती है कि महिला न केवल परिवार, बल्कि समाज की भी रीढ़ है। उन्होंने भारत में दुग्ध उत्पादन के परिदृश्य और पर भी चर्चा की।

राज्य विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप विश्वविद्यालयों में शोध एवं इन्फास्ट्रक्चर के विकास के लिए निरंतर हो रहे प्रयासों पर चर्चा करते हुए राज्यपाल जी ने नैक में उच्चतम ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालयों को भारत सरकार से ग्रांट में प्राप्त हुए 740 करोड़ रुपये धनराशि के बारे में बताया और कहा कि इन पैसों से विश्वविद्यालयों में इन्फास्टेक्चर, शोध, आदि के कार्य होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के अन्तर्गत देश के 26 विश्वविद्यालयों में से उत्तर प्रदेश के 6 राज्य विश्वविद्यालयों को ,प्रत्येक को सौ करोड़ रुपये की अनुदान धनराशि विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदान की गयी है। इससे राज्य में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के साथ-साथ अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अनुशासन एवं आत्मविश्वास से कार्य करने से हर असंभव कार्य भी संभव हो जाता है। इसलिये जीवन में हमेशा सकारात्मक एवं सहयोगात्मक सोच रखें। उन्होंने सभी को राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करने ,देश का श्रेष्ठ नागरिक बनने, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने,निर्धन बच्चों की शिक्षा और स्वस्थ रहने हेतु मदद करने के लिए प्रेरित किया।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के कुलपति डॉ. रामेश्वर सिंह ने विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा किये।

राज्यपाल जी ने समारोह में पूर्व माध्यमिक विद्यालय सूर्यनगर, मथुरा के 25 विद्यार्थियों को पठन-पाठन की सामग्री एवं पोषण सामग्री प्रदान की। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्रों से आयीं कार्यकत्रियों को आंगनवाड़ी केन्द्रों को सुविधा सम्पन्न बनाने हेतु 10 आंगनवाड़ी किट एवं अन्य सामग्री प्रदान की।

इस अवसर पर समारोह में कुलाधिपति जी द्वारा पशुपालकों उपयोग हेतु पशुओं में होने वाली सामान्य व्याधियों के पारम्परिक व घरेलू नुस्खों से उपचार पर प्रकाशित 07 वैज्ञानिक लघु प्रकाशन, छात्र दिग्दर्शिका के दूसरे संस्करण, विश्वविद्यालय संवादपत्र, विश्वविद्यालय पशुधन पत्रिका का विमोचन एवं 'पशुधन की बातें' प्रसारण का शुभारम्भ किया।

समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 अनिल कुमार श्रीवास्तव ने कुलाधिपति जी के समक्ष में विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की।

इस अवसर पर समारोह में स्थानीय जनप्रनितिधि, छात्र-छात्राएं, कार्य परिषद एवं विद्या परिषद के सदस्य, शिक्षक गण, अधिकारीगण, अभिभावक गण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपर्क :

डा0 सीमा गुप्ता
सहायक निदेशक, राजभवन
सम्पर्क सूत्र- 8318116361